भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

**लोकसभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 3128**

दिनांक 13.12.2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

**लेबनान से इजरायली सेना की वापसी**

3128. **श्री सु. वेंकटेशनः**

क्या **विदेश** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) में सैन्य योगदान देने वाले देश द्वारा जारी संयुक्त बयान के अनुसार इजराइल-लेबनान सीमा पर बिगड़ती स्थितियों के मद्देनजर दक्षिणी लेबनान से संयुक्त राष्ट्र शांति सेना को वापस बुलाने के इजराइल के आह्वान पर भारत सरकार का रुख क्या है; और

(ख) क्या भारत ने लेबनान से इजरायली सेना की वापसी सुनिश्चित करने के लिए कोई गंभीर राजनयिक प्रयास किए हैं/करने का प्रस्ताव किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**विदेश राज्य मंत्री**

**(श्री कीर्ति वर्धन सिंह)**

(क) और (ख) लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) में सैन्य योगदान देने वाले एक प्रमुख देश के रूप में, भारत ने ब्लू लाइन पर बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर अपनी चिंता व्यक्त की और सभी से आह्वान किया कि संयुक्त राष्ट्र परिसर की सुरक्षा का सम्मान किया जाए और शांति सैनिकों की संरक्षा एवं उनके अधिदेश के महत्व को सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त उपाय किए जाएँ। भारत ने यूएनआईएफआईएल में सैन्य योगदान देने वाले देशों द्वारा जारी संयुक्त वक्तव्य के साथ भी सहमति जताई।

भारत ने हमेशा तनाव को कम करने, संयम बरतने तथा वार्ता और राजनय के मार्ग पर लौटने का आह्वान किया है। 27 नवंबर 2024 को इजराइल और लेबनान के बीच युद्ध विराम की घोषणा की गई। भारत ने युद्ध विराम का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि इससे व्यापक क्षेत्र में शांति और स्थिरता आएगी।

*****